सं0 1336/उन्तीस(2)/05–2(83पे0)/2005

प्रेषक,

कुँवर सिंह,
अपर सचिव
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

मुख्य महाप्रबन्धक
उत्तरांचल जल संस्थान
देहरादून।

पेयजल अनुभाग–2 देहरादून दिनांक 19 दिसम्बर, 2005

विषयः–वित्तीय वर्ष 2005–06 में नगरीय पेयजल योजनान्र्गत जनपद चम्पावत की लोहाघाट अन्तर्गत मिनी नलकूप एंव तत्सम्बधी कार्यो हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय पत्रांक 3876/प्राक्कलन/ /2005–06 दिनांक 17 नवम्बर, 2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि नगरीय पेयजल योजनाओं के जीर्णाद्धार, पुनर्गठन के अन्तर्गत जनपद चम्पावत के लोहाघाट के अन्तर्गत मिनी नलकूप एंव तत्सम्बंधी कार्यो हेतु उपलब्ध कराये गये आगणन रू0 18.60 लाख के परीक्षणोपरान्त टी0ए0सी0 द्वारा औचित्यपूर्ण पाई गईरू0 15.55 लाख (रू0 पन्द्रह लाख पचपन हजार मात्र) की लागत पर प्रशासकीय एंव वित्तीय स्वीकृति के साथ ही चालू वित्तीय वर्ष 2005–06 में व्यय हेतु इतनी ही धनराशि को निम्नलिखित शर्तो के अधीन आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है।

(1) आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेशण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिडयूल ऑफ रेट में स्वीकृत नही है अथवा बाजार भाव से ली गई है की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।

(2) कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

(3) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना की स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

(4) एक मुश्त प्राविधान में कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

(5)कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताऐं तकनीकि दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग/विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

(6)कार्य कराने से पूर्व स्थल की भली–भॉति निरीक्षण उच्चाधिकारियों एंव भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें एवं निरीक्षण के पश्चात स्थल

आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप ही कार्य किया जाये।

(7) आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है उसी मद पर व्यय किया जाय तथा एक मद की राशि, दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।

(8) निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जानी वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।

2– स्वीकृत धनराशि मुख्य महाप्रबन्धक उत्तरांचल जल संस्थान के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके, आवश्यकतानुसार आहरित की जायेगी तथा आहरण से सम्बन्धित वाउचर संख्या व दिनांक की सूचना महालेखाकार उत्तरांचल, देहरादून तथा शासन को तुरन्त उपलब्ध करा दी जायेगी।

3– स्वीकृत धनराशि जिन निर्माण कार्यो पर व्यय की जायेगी उन कार्यो की लागत के सापेक्ष उ0प्र0 शासन की वित्त (लेखा) अनुभाग–2 के शासनादेश सं0–ए–2–87(1) दस–97–17 (4)/75 दिनांक 27.02.1997 के अनुसार 12.5 प्रतिशत की धनराशि ही सैंटेज चार्जेज के रूप में अनुमन्य होगी। धनराशि व्यय करने से पूर्व मुख्य महाप्रबन्धक यह भी सुनिश्चित कर लेंगें कि अमुक कार्यो पर पूर्व में व्यय की गयी धनराशि को सामायोजित करते हुए सेंटेज चार्जेज किसी भी दशा में 12.5 प्रतिशत से अधिक व्यय नही होगा। कृपया इसका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कर लें।

4– स्वीकृत धनराशि का आवंटन/व्यय की सूचना शासन को एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध करा दी जाय। इसके अतिरिक्त कार्यो की मासिक/त्रैमासिक वित्तीय/भौतिक प्रगति यथासमय शासन को उपलब्ध करा दी जाय। स्वीकृत धनरशि ऐसी योजनाओं पर कदापि व्यय न की जाय जिनके सम्बन्ध में तकनीकी स्वीकृति न हो अथवा जो विवादग्रस्त है। धन का उपयोग उन्ही कार्यो पर किया जाय जिनके लिये स्वीकृति दी जा रही है।

5– कार्य की गुणवत्ता एंव समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

6– स्वीकृत की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग दिनांक 31.03.2006 तक कर लिया जाय तदोपरान्त वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण उपलब्ध कराये जाय।

7– उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005–06 में अनुदान सं0–13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक 2215–जलापूर्तितथा सफाई–01–जलपूर्ति–आयोजनागत–101–शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम–05– नगरीय पेयजल–03– नगरीय पेयजल योजनाओं का पुनर्गठन,जीर्णोद्धार, सुदृढीकरण हेतु अनुदान–20–सहायक अनुदान/अंशदान /राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

क्रमश...3

8— यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं0—199/XXVII (2)/2005 दिनांक 09 दिसम्बर, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है।

भवदीय,

(कुँवर सिंह)
अपर सचिव

संख्या—1336/उन्तीस(2)/05—2(83पे0)/2005,तद दिनांक

प्रतिलिपि—निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1— महालेखाकार, उत्तरांचल,देहरादून।
2— मण्डलायुक्त, कुमॉयू ।
3— जिलाधिकारी,देहरादून/चम्पावत
4— वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5— प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल निगम, देहरादून।
6— महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जलसंस्थान, नैनीताल।
7— वित्त अनुभाग—2/वित्त बजट सेल/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन,।
8— निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री उत्तरांचल ।
9— निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
10— निदेशक एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर,देहरादून।

आज्ञा से

(सुनीलश्री पांथरी)
अनु सचिव